

P. S. SCIENCE & H. D. PATEL ARTS COLLEGE, KADI

Internal Examination

M. A. Semester - III

[Mark : 40

6-10-2015]

Sanskrit - 302

[8-30 to 10-00

॥ ऋग्वेदमंडल-३ (नियतसूक्तानि) ॥

1. ऋ.मं.३ ना आधारे 'अग्नि' देवता विशे विस्तृत नोंध लખो.

अथवा

13

ऋ.मं.३ ना यतुर्थ सूक्त 'आग्नीसूक्त' नुं रसदर्शन करो.

2. गमे ते जे टूंकनोंध लखो.

13

(1) वसिष्ठ-विश्वामित्र संबंध.

(2) ऋ.मं. ३ ना त्रीज सूक्तनुं रसदर्शन.

(3) ऋ.मं. ३ ना द्वितीय सूक्तनुं रसदर्शन.

(4) ऋग्वेदनुं विभाजन.

3. गमे ते सात प्रश्नोना टूंकमां जवाळ आपो.

14

(1) ऋग्वेदना तृतीय मंडलमां केटला सूक्तो अने मंत्रोमां विश्वामित्रनुं कर्तृत्व छे ?

(2) ऋ.मं. ३ मां कर्छ त्रिज देवीओनो उल्लेख छे ?

(3) तनुनपात् अने नराशंसु अे बन्ने कोनां नाम छे ?

(4) अग्निनुं प्रोजवळ रूप क्युं गणायुं छे ?

(5) क्या त्रिज देवो यज्ञनां विशिष्ट अंगो छे ?

(6) त्रीज मंडलना आठमां सूक्तमां कोनी स्तुति छे ?

(7) राज सुदासे क्या दस राजओ साथे युद्ध करेवुं ?

(8) आग्नीसूक्तो विशे शी मान्यता प्रवर्ते छे ?

(9) ऋ.मं. ३ ना क्या सूक्तमां 'दाशराजयुद्ध' नो उल्लेख छे ?

(10) त्रीज मंडलमां 'प्रगाध' छंद क्या सूक्तमां वपरायो छे ?

(11) 'विराटरूपा' छंद क्या सूक्तमां वपरायो छे ?

(12) विश्वामित्र कोना पुत्र छता ?

(13) ऋ.मं. ३ ना क्या सूक्तोमां विश्वामित्रना जवनप्रसंगो उल्लेखाया छे ?

(14) ऋ.मं. ३ मां 'छन्द्राग्नी' नी स्तुति क्या सूक्तमां आवेली छे ?